सांप दिखने पर क्या करें और क्या न करें

ये करें ✓

- ध्यान रखें कि भारत में पाए जाने वाले ज़्यादातर सांप गैर–विषैले होते हैं। केवल चार प्रजातियां ही अत्यंत विषैली होती हैं: स्पेक्टैकल्ड कोबरा, इंडियन क्रेट, रसेल्स वाइपर और सॉ–स्केल्ड वाइपर
- ज़मीन पर काम शुरू करने से पहले एक डंडे को वनस्पति के अंदर यहां से वहां ले जाएं या डंडे से ज़मीन पर ठोकें। इससे अगर कोई सांप वहां है तो वह चौकन्ना हो जाएगा और भाग जाएगा
- लकड़ी के लठ्ठे के पास जाने या उन पर बैठने से पहले उनके आसपास अच्छे से नज़र दौड़ा लें। शाम को निकलते समय हाथ में टॉर्च लेकर निकलें
- रात को चलते समय, ख़ासकर कच्ची सड़कों और पगडंडियों पर चलते समय टॉर्च का इस्तेमाल करें। फ़सल कटाई के समय किसानों को सावधानी बरतनी चाहिए
- सांप पर नज़र रखते हुए उससे दूरी बनाए रखें। आम तौर पर, सांप अपने आप चले जाते हैं। अगर वह नहीं जा रहा है तो बचाव दल को सूचित करना बेहतर होगा। दल के आने तक सांप पर नज़र रखें
- सांप के काटने पर, शांत रहें और पीड़ित व्यक्ति को ऐसे किसी अस्पताल ले जाएं जहां विषरोधक उपचार उपलब्ध है
- सांप के काटने पर, उस अंग को कसकर पकड़ें और उसे व्यक्ति के दिल के नीचे रखें। काटे हुए स्थान को ढीले बैंडेज से ढक दें
- अस्पताल ले जाते समय पीड़ित व्यक्ति को बाईं तरफ़ करके लिटा दें और उनकी दाईं टांग को मोड़ दें। इससे उनका दम नहीं घुटेगा
- सर्प बचाव दल, गैर–सरकारी संगठनों या वन विभाग के फ़ोन नंबर अपने पास रखें और घर में सांप घुस आने की स्थिति में इनसे संपर्क करें
- चूहों और सांपों को दूर रखने के लिए दरवाज़ों, खिड़कियों में बनी खुली दरारों/छेदों को पतली तार की जाली से बंद कर दें
- पाइपों में जहां से जल निकासी होती है वहां जाली लगाएं ताकि सांप अंदर घुस न पाए जबकि गंदा पानी बाहर जाता रहे
- बारिश के मौसम में शौचालय और कमोड की जांच कर वहां सांप के न होने की बात सुनिश्चित करने के बाद ही उसका इस्तेमाल करें

ये न करें ✗

- सांप दिखने पर डरे नहीं और उसे मारने की कोशिश न करें क्योंकि ज़्यादातर सांप गैर–विषैले और हानिरहित होते हैं। वास्तव में, सांप मुख्यतः चूहे खाते हैं जिससे चूहों की आबादी नियंत्रण में रहती है
- सांप के दंश से बचने के लिए, खेतों, चाय और कॉफ़ी के बागानों में नंगे पैर काम न करें। सुरक्षात्मक जूते और सामान का इस्तेमाल करें
- ज़मीन पर सोने की बजाय खाट पर सोएं। अगर आपको ज़मीन पर सोना है तो चारों तरफ मच्छरदानी लगा कर सोएं
- घर में अनाज को खुला न छोड़ें; इससे चूहे आकर्षित होते हैं और चूहों से आकर्षित होकर सांप घर में आ जाते हैं
- सांप दिखे तो उस पर नज़र रखें लेकिन उसके आसपास भीड़ जमा न करें क्योंकि इससे सांप अपने बचाव में आक्रमण कर सकता है
- सांप के दंश से पीड़ित व्यक्ति को इधर–उधर भागने न दें। जहां सांप ने काटा है उस जगह को काटने, जलाने या चूसने से बचें। जिस अंग में सांप ने काटा है उसे ज़ोर से नहीं बाधें; इससे खून का प्रवाह रुक सकता है जिससे अंग को काटने की ज़रूरत पड़ सकती है
- डरे नहीं और पीड़ित व्यक्ति को तुरंत अस्पताल ले जाएं। तांत्रिक या सपेरों के पास न जाएं क्योंकि इससे पीड़ित व्यक्ति की जान जा सकती है
- पीड़ित के शरीर पर घड़ी, अंगूठियों जैसे सहायक वस्तुएं न छोड़ें क्योंकि यदि अंग सूज जाता है तो वे त्वचा को काट सकते हैं
- खुद सांप को संभालने या उसे पकड़ने की कोशिश न करें क्योंकि ऐसा करते हुए कई लोगों को सांप ने काट लिया है
- सांप को बचाने या उसे हटाने का काम पेशेवर सांप पकड़ने वालों का है। अतः आप खुद उसे पकड़ने का प्रयास न करें
- बचाव कार्यों के चलते उनकी तस्वीर खींचने या विडियो बनाने की कोशिश न करें। बाचाव कार्य के कर्मचारियों को काम करने के लिए पर्याप्त जगह दें और उनके आसपास भीड़ जमा न करें
- जल–निकासी पाइपों के छोरों को खुला न छोड़ें क्योंकि बारिश के मौसम में उनमें घुसकर सांप आपके घर में प्रवेश कर सकते हैं

भारत में मनुष्य–वन्य जीव संघर्ष शमन

भारत में मनुष्य–वन्य जीव संघर्ष शमन पर भारत–जर्मनी सहयोग
2017 – 2023
भारत में मनुष्य–वन्य जीव संघर्ष शमन
के संबंध में सामंजस्यपूर्ण सहास्तित्व पद्धति का क्रियान्वयन